

## **गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला—ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड) देश दुर्गम उत्पादन के क्षेत्र में अग्रसर**

पंतनगर | 16 सितम्बर 2022 | ग्रेटर नोएडा में आयोजित विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन 2022 में विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा सत्र-17 की अध्यक्षता की तथा दूरदर्शन के डीडी न्यूज संवाददाता को सम्मेलन के बारे में बताते हुए कहा कि भारत देश विश्व में दुर्गम उत्पादन में सर्वोपरी है। उन्होंने बताया कि नेशनल डेयरी इंस्टीट्यूट, करनाल दुर्गम उत्पादन में लगातार कार्य कर रहा है तथा नयी तकनीकों को विकसित कर किसानों तक पहुंचा रहा है, जिससे किसान इस तकनीक को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि छोटे किसान आपस में मिलकर समूह के माध्यम से अपने दुर्गम उत्पाद को बाजारों में अधिक मूल्य पर विक्रय कर सकते हैं। डा. चौहान ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण देना चाहिए, जिससे छोटे-छोटे किसानों को पशुओं का रख-रखाव, टीकाकरण, नस्ल सुधार आदि का ध्यान रखकर दुर्गम उत्पादन एवं दुर्गम उत्पाद कर अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि डेयरी एवं उद्योगों में पानी का उपयोग अधिक किया जाता है पानी की खपत को कम करने हेतु विशेष चर्चा की गयी। अभी देश में दुर्गम उत्पादन छः प्रतिशत हो रहा है। आशा करते हैं कि संभावतः आगामी दो वर्षों में आठ प्रतिशत हो जायेगा।